जीवन रक्षक दवाओं का मूल्य निर्धारण

1718. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1992-93 और 1993-94 के दौरान जीवन रक्षक दवाओं के मूल्य निर्धारण में वास्तविक लागत मूल्य, विपणन मूल्य और उपभोक्ता मूल्य के बीच कितने प्रतिशत का अन्तर रखने की अनुमति दी गयी ;

(ख) वर्ष 1994-95 में इस अन्तर को कितने प्रतिशत रखने की अनुमति दी गई है; और

(ग) ग्लूकोज़ की बोतलों के मूल्य-निर्धारण में थोक और खुदरा मूल्यों में दिए गए मुनाफे में कितने प्रतिशत की छूट दी गई है ?

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुवर्डो फलेरो) : (क) और (ख) औषध (कीमत नियंत्रण) आदेश, 1987 के पैरा-7 के अनुसार श्रेणी-1 सूत्रयोगों की फैक्टरी बाहय कीमत पर 75 प्रतिशत अधिकतम अनुमत्य उत्पादनोपरान्त व्यय (ए ए पी ई) और श्रेणी-2 सूत्रयोगों के संबंध में फैक्टरी बाहय कीमत पर 100 प्रतिशत एम ए पी ई की अनुमति निर्माता द्वारा फैक्टरी बाहय कीमत की अवस्था से लेकर अधिकतम खुदरा कीमत जिसमें व्यापार लाभ भी शामिल है, तक लिए गए व्यय को पूरा करने के लिए दी जाती थी। इसकी तुलना में डी पी सी ओ, 1985 में अधिकतम खुदरा कीमत तक फैक्टरी बाहय कीमत पर 100 प्रतिशत की एक समान दर से एम ए पी ई की अनुमति दी गई है।

(ग) इन्ट्रावीन्स फ्ल्यूड डी पी सी ओ, 1987 के अंतर्गत कीमत नियंत्रण से बाहर थे और डी पी सी ओ, 1995 के अंतर्गत भी कीमत नियंत्रण से बाहर हैं।

New Drug Policy

1719. SHRI O. P. KOHLI : Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government have embarked upon a new Drug Policy;

(b) if so, in what way it is different from the earlier policy;

(c) whether the prices of many vital drugs have shot up like Sodium PAS tetracycline, dapsons etc. and

(d) if so the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) and (b). To bring the Drug Policy, 1986 in consonance with the Industrial Policy '1991 and to streamline and simplify the pricing system, the Government announced 'Modifications in the Drug Policy, 1988' in September, 1994 copies of which are available in the Library of Parliament.

(c) As per information available, no such instances have come to the notice of the Government.

(d) Does not arise.

Setting up of Fertilizer Plants in the Private Sector

1720. SHRI V. HANUMANTHA RAO. SHRI SANJAY DALMIA:

Will the Minister of CHEMICALS be pleased to state:

(a) whether there is a proposal to set up some Fertilizer Plants in the country in the private sector;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether some Multinaional Companies and Non Resident Indians have taken keen interest in the matter; and

(d) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) and (b) As per the Statement

on Industrial Policy, announced by the Government on July 24, 1991, industrial licensing has been abolished for the fertilizer industry, Entrepreneurs are free to set up fertilizer projects any where in India, subject to environmental clearance. In the private sector, an ammonia-urea project is under implementation at Shahjahanpur (Uttar Pradesh). When commissioned, this plant is expected to produce about 7.26 lakh tonnes if urea per annum M/s Reliance Assam Petrochemicals Ltd. has submitted a proposal for allocation of gas to set up a gas based ammonia-urea project in Assam.

(c) and (d) No multinational company or NRI has approached the Government in this regard.

बिहार में उर्वरक कारखाने

1721. **जनार्दन यादव:** क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में इस समय कितने उर्वरक कारखाने हैं ;

(ख) उनकी कुल उत्पादन क्षमता कितनी है; और

(ग) वर्ष 1993-94 में और वर्ष 1994-95 में जनवरी तक कुल कितना उत्पादन हुआ है ?

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुवर्डो फलेरो) : (क) बिहार में कुल मिलाकर आठ उर्वरक संयंत्र हैं।

(ख) और (ग) बिहार में उर्वरकों की 1993-94 और 1994-95 (जनवरी, 1995 तक) कुल क्षमता और उत्पादन नीचे दिया गया है :—

(000 मी० टन)

उत्पादन का नाम	स्थापित क्षमता	उत्पादन 1993-94	1994-95 (जनवरी, 95 तक)
यूरिया	660.0	265.9	286.3
अमोनियम सल्फेट	59.4	31.1	23.5
सिंगल सुपर फास्फेट	366.0	128.6	130.9

Increase in the prices of critical drugs

1722. SHRI INDER KUMAR GUJRAL: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government's new drug policy is likely to result in an increase in prices of nearly 100 critical drugs, most of which fall under the National Health Programme for the eradication of common diseases like tuberculosis, leprosy, trachoma, blindness, dehydration, diarrhoea, malaria and filaria; and

(b) if so, Government's reaction thereto and the steps contemplated to meet the situation?